ORDINANCE, REGULATION & SYLLABUS

For

B.A. [SANSKRIT]

Offered by

NEHRU GRAM BHARATI

(DEEMED TO BE UNIVERSITY),

KOTWA-JAMUNIPUR-DUBAWAL

PRAYAGRAJ-221505

UTTAR PRADESH

Session:

From 2019 – 20

प्राक्कथन

पाठ्यचर्या का नवीकरण और उसे अद्यतन बनाए रखना किसी भी स्पन्दनशील विश्वविद्यालय तन्त्र का अत्यावश्यक अंग है। पाठ्यचर्या को गत्यात्मक होना चाहिए जिस हेतु अद्यतन बनाऐ रखने के प्रमुख उद्देश्य से नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय द्वारा उसमें समय–समय पर आवश्यक परिवर्तन एंव परिवर्धन किया जाता रहा है, इसी कड़ी में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार स्नातक कक्षा में वार्षिकी परीक्षा के स्थान पर संस्कृत विभाग नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय प्रयागराज के अध्ययन परिषद में गम्भीर विचार विमर्श के पश्चात् सेमेस्टर पाठ्यक्रम तैयार किया गया, जिसकी रूपरेखा अग्रलिखित रूप में संकाय परिषद को प्रेषित किया गया। तीन वर्षों में पूर्ण होने वाला पाठ्यक्रम छह सेमेस्टर में विभाजित है। प्रत्येक वर्ष दो सेमेस्टर की परीक्षा होगी। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रत्येक सेमेस्टर में दो प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100–100 अंक के होंगे। जिसमें 80 अंक की लिखित परीक्षा होगी और 20–20 अंक की आन्तरिक परीक्षा होगी। इस प्रकार स्नातक द्वितीय वर्ष में भी प्रत्येक सेमेस्टर में दो–दो प्रश्न पत्र होंगे जिसमें 80–80 अंक की लिखित परीक्षा और 20–20 अंक की आन्तरिक परीक्षा होगी। स्नातक तृतीय वर्ष में 100–100 अंक के तीन–तीन प्रश्न पत्र दोनों सेमेस्टर में होंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न पत्र में 80–80 अंक की लिखित परीक्षा और 20–20 अंक की आन्तरिक परीक्षा होगी। ध्यातव्य है कि मात्र स्नातक तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर का तृतीय प्रश्न पत्र 100 अंक का होगा जो मौखिकी परीक्षा के रूप में होगा।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में संस्कृत नाटक, छन्द अलंकार एवं संस्कृत व्याकरण के माध्यम से संस्कृत अध्येताओं में पठन–पाठन के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा द्वितीय में खण्ड काव्य, निबन्ध एवं नीतिपरक श्लोकों के माध्यम से छात्रों में सदाचार एवं संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करना पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

पाठ्यक्रम के तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में वेद, व्याकरण एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास रखा गया है जिसके द्वारा छात्रों में प्राचीन वैदिक ज्ञान संस्कृत साहित्य के प्रति रुचि तथा भाषा में प्रौढ़ता उत्पन्न कराना है। व्याकरण के ज्ञान के अभाव में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सम्भव नहीं है इसलिए व्याकरण का सामान्य सिद्धान्त एवं अनुवाद उक्त सेमेस्टर का प्रमुख लक्ष्य हैं।

पाठ्यक्रम के पञ्चम एवं षष्ठ सेमेस्टर में नाटक, काव्यशास्त्र उपनिषद्, संस्कृत व्याकरण, भारतीय दर्शन एवं भारतीय संस्कृति का प्रश्न पत्र रखा गया है जिसके माध्यम से छात्रों में वाणी की प्रौढ़ता, शब्द प्रयोग में कुशलता, भारतीय दर्शन का सम्यक् ज्ञान तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति का सम्यक् ज्ञान कराया जा सके। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए तथा छात्रों को रोजगार परक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम बनाया गया है।

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

(नाटक एवं अनुवाद) पूर्णांक 100

इकाई–1	अभिज्ञानशाकुन्तलम् प्रथम अंक	16 अंक
इकाई–2	अभिज्ञानशाकुन्तलम् द्वितीय अंक	16 अंक
इकाई–3	अभिज्ञानशाकुन्तलम् तृतीय एवं चतुर्थ अंक	16 अंक
इकाई–4	अभिज्ञानशाकुन्तलम् पंचम, षष्ठ एवं सप्तम अंक	16 अंक
ईकाई–5	हिन्दी से संस्कृत अनुवाद	16 अंक

ईकाई–1 से 4 तक हिन्दी अनुवाद एवं आलोचनात्मक प्रश्न होंगे।

आन्तरिक परीक्षा– 20 अंक

पुस्तकें–

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ0 सुबोध चन्द्र पन्त, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
3. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

द्वितीय प्रश्नपत्र

(व्याकरण, छन्द एवं अलंकार) **पूर्णांक 100**

इकाई–1	लघुसिद्धान्त कौमुदी (संज्ञा प्रकरण)	16 अंक
इकाई–2	नाट्यशास्त्रीय टिप्पणी नान्दी, विदूषक, कंचुकी, प्रवेशक, आकाशभाषित,स्वगत विष्कम्भक, अपवारित चूलिका, भरतवाक्य, जनान्तिक	16 अंक
इकाई–3	साहित्यदर्पण से निम्नलिखित अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित परिचय– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, सन्देह, भ्रान्तिमान विभावना, विशेषोक्ति, समासोक्ति	16 अंक
इकाई–4 एवं 5	छन्दोऽलंकार सौरभम् से निम्नलिखित छन्द के लक्षण एवं उदाहरण– अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, तोटक, भुजंगप्रयात, वंशस्थ वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, मालिनी, द्रुतविलम्बित, सुग्धरा, शार्दूलविक्रीडित	32 अंक

आन्तरिक परीक्षा– 20 अंक

पुस्तकें–

1. साहित्यदर्पण– डॉ0 शालिग्राम शास्त्री मोतीलाल / वनारसीदास वाराणसी
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र / भीमसेन शास्त्री
3. छन्दोऽलंकार सौरभम्– डॉ0 राजेन्द्र मिश्र

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

(काव्य एवं निबन्ध) **पूर्णांक 100**

इकाई–1	मेघदूत (पूर्वमेघ) श्लोक संख्या 1 से 25 तक (हिन्दी अनुवाद एवं समालोचनात्मक प्रश्न)	16 अंक
इकाई–2	पूर्व मेघ श्लोक संख्या 26 से अन्त तक	16 अंक
इकाई–3	किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग श्लोक संख्या 1 से 25	16 अंक
इकाई–4	किरातार्जुनीयम् प्रथम संर्ग श्लोक संख्या 26 से अन्त तक	16 अंक
इकाई–5	संस्कृत निबन्ध	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा 20 अंक

पुस्तकें– मेघदूतम् – डॉ0 तारणीश झाा

किरातार्जुनीयम् – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र

किरातार्जुनीयम् – डॉ0 रामसेवक दुबे

निबन्धशतकम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

द्वितीय प्रश्नपत्र
(नीतिशतक एवं अनुवाद)

पूर्णांक 100

इकाई–1	नीतिशतकम् श्लोक 1 से 25 तक	16 अंक
इकाई–2	नीतिशतकम् श्लोक 26 से 50 तक	16 अंक
इकाई–3	नीतिशतकम् श्लोक 51 से 75 तक	16 अंक

(इकाई 1 से 3 तक हिन्दी अनुवाद एवं संस्कृत व्याख्यात्मक प्रश्न होंगे)

इकाई–4	हिन्दी से संस्कृत अनुवाद	16 अंक
इकाई–5	संस्कृत से हिन्दी अनुवाद	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. नीतिशतकम् – डॉ0 तारणीश झा
2. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र
(काव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास)

पूर्णांक 100

इकाई–1	कादम्बरी– प्रारम्भ से विन्ध्याटवी वर्णन के पूर्व (केवल गद्य भाग)	16 अंक
इकाई–2	कादम्बरी – विन्ध्याटवी वर्णन से पम्पासरोवर वर्णन पर्यन्त	16 अंक

(इकाई 1 और 2 से हिन्दी अनुवाद एवं आलोचनात्मक प्रश्न होंगे)

इकाई–3	लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास – आर्षकाव्य रामायण एवं महाभारत से आलोचनात्मक प्रश्न	16 अंक
इकाई–4	महाकाव्य (लघु टिप्पणी)	16 अंक
इकाई–5	गद्यकाव्य एवं नाटक– आलोचनात्मक प्रश्न एवं लघु टिप्पणी	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
3. कादम्बरी कथामुखम् – डॉ0 राजेन्द्र मिश्र

द्वितीय प्रश्न पत्र
(संस्कृत साहित्य का इतिहास, व्याकरण एवं हितोपदेश)

पूर्णांक 100

इकाई–1	खण्डकाव्य, चम्पूकाव्य, एवं जन्तु कथा साहित्य (आलोचनात्मक प्रश्न एवं लघु टिप्पणी)	16 अंक
इकाई–2	हितोपदेश – प्रारम्भ से मित्रलाभ के पूर्व – हिन्दी अनुवाद एवं आलोचनात्मक प्रश्न	16 अंक
इकाई–3	हितोपदेश मित्रलाभ	16 अंक
इकाई–4	लघु सिद्धान्त कौमुदी विभक्ति प्रकरण प्रथमा से तृतीया विभक्ति	16 अंक
इकाई–5	लघु सिद्धान्त कौमुदी विभक्ति प्रकरण चतुर्थी से अन्त तक	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 कपिल देव द्विवेदी
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र
3. हितोपदेश – चौखम्भा प्रकाशन

चतुथ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र
(वेद एवं व्याकरण)

पूर्णांक 100

इकाई–1	विश्वेदेवा सूक्त ( ), अग्नि सूक्त (1.1), इन्द्र सूक्त (2.12) पुरूष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121), शिव संकल्प सूक्त (शु0 एजुर्वेद) अध्याय 34– प्रथम छः मन्त्र (हिन्दी अनुवाद एवं देवताओं का परिचय	16 अंक
इकाई–2	अच् सन्धि (लघुसिद्धान्त कौमुदी) साधनिका, सूत्रों की व्याख्या	16 अंक
इकाई–3	हल् सन्धि (लघु सिद्धान्त कौमुदी) साधनिका, सूत्रों की व्याख्या	16 अंक
इकाई–4	विसर्ग सन्धि (लघु सिद्धान्त कौमुदी)(साधनिका)	16 अंक
इकाई–5	लघुसिद्धान्त कौमुदी के संधि प्रकरण में आये समस्त संज्ञाओं का परिचय	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा
3. नटक् सूक्त संग्रह – डॉ0 हरिदत्तशास्त्री

द्वितीय प्रश्न पत्र

(उपनिषद् एवं शब्दरूप तथा धातुरूप)

पूर्णांक 100

इकाई–1	कठोपनिषद् प्रथम अध्याय प्रथमवल्ली (हिन्दी व्याख्याा एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी)	16 अंक
इकाई–2	कठोपनिषद् प्रथम अध्याय द्वितीय वल्ली (हिन्दी व्याख्या)	16 अंक
इकाई–3	कठोपनिषद् प्रथम अध्याय तृतीयवल्ली (हिन्दी अनुवाद एवं टिप्पणी)	16 अंक
इकाई–4	**शब्द रूप–** राम, हरि, सखि, पितृ, लता, नदी, भानु, फल, वारि, भगवत् आत्मन्, राजन्, चन्द्रमस्, वाक्, अस्मद्, युस्मद्, इदम्, तद्, यद् त्रि, चतुर्, पंचन्, षष्ठ, सप्तन्, अष्टन्	16 अंक
इकाई–5	**धातु रूप –**गम् भू, अस्, कृ, दा, हन्, पा, प्रच्छ, लभ्, चुर्, अद्	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. कठोपनिषद् – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र
2. ईशादि नौ उपनिषद् – गीता प्रेस गोरखपुर
3. रूप चन्द्रिका – डॉ0 राजकिशोर पाण्डेय

पंचम् सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र

(नाटक) **पूर्णांक 100**

इकाई–1	उत्तररामचरितम् प्रथम अंक	16 अंक
इकाई–2	उत्तररामचरितम् द्वितीय एवं तृतीय अंक	16 अंक
इकाई–3	उत्तररामचरितम् चतुर्थ अंक एवं पंचम अंक	16 अंक
इकाई–4	उत्तररामचरितम् षष्ठ एवं सप्तम् अंक	16 अंक
	(उपर्युक्त सभी इकाईयों से हिन्दी अनुवाद एवं आलोचनात्मक प्रश्न अथवा हिन्दी व्याख्यात्मक प्रश्न होंगे)।	
इकाई–5	उपर्युक्त सभी इकाइयों से लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे।	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. उत्तररामचरितम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र
(उपनिषद् एवं काव्यशास्त्र)

पूर्णांक 100

इकाई–1	ईशावास्योपनिषद् (हिन्दी व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)	16 अंक
इकाई–2	साहित्यदर्पण प्रथम परिच्छेद (हिन्दी व्याख्या एवं प्रश्न)	16 अंक
इकाई–3	साहित्यदर्पण द्वितीय परिच्छेद (हिन्दी व्याख्या एवं प्रश्न)	16 अंक
इकाई–4	साहित्यदर्पण तृतीय परिच्छेद (रसनिरूपण पर्यन्त) (हिन्दी व्याख्या एवं प्रश्न)	16 अंक
इकाई–5	उपर्युक्त सभी इकाइयों से लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे।	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. ईशावास्योपनिषद् – गीता प्रेस गोरखपुर
2. ईशावास्योपनिषद् – डॉ0 कृष्णदत्त मिश्र
3. साहित्यदर्पण – डॉ0 कमलादुबे/आचार्य शालिग्राम शास्त्री

तृतीय प्रश्न पत्र
(संस्कृत व्याकरण एवं निबन्ध)

पूर्णांक 100

इकाई–1	लघु सिद्धान्त कौमुदी समास प्रकरण– केवल समास एवं अव्ययीभाव समास (साधनिका एवं सूत्रों की व्याख्या)	16 अंक
इकाई–2	तत्पुरूष समास – (साधनिका)	16 अंक
इकाई–3	द्वन्द्व एवं बहुव्रीहि समास– साधनिका एवं सूत्रों की व्याख्या	16 अंक
इकाई–4	संस्कृत निबन्ध	16 अंक
इकाई–5	इकाई 1, 2, एवं 3 से लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे।	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र/ श्री धरानन्द शास्त्री
2. निबन्धशतकम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

षष्ठ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र
(भारतीय दर्शन एवं भारतीय संस्कृति)

पूर्णांक 100

इकाई–1	तर्क संग्रह (हिन्दी व्याख्या एवं प्रश्न)	16 अंक
इकाई–2	भारतीय दर्शन– (सांख्य, योग, वेदान्त, मीमांसा)	16 अंक
इकाई–3	संस्कार, वर्ण व्यवस्था, पुरूषार्थ चतुष्ट्य (समालोचनात्मक प्रश्न एवं टिप्पणी)	16 अंक
इकाई–4	श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय 2, 3 तथा 9) (हिन्दी अनुवाद, हिन्दी व्याख्या तथा प्रश्न)	16 अंक
इकाई–5	सभी इकाइयों से लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे।	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. तर्क संग्रह – डॉ0 दयानन्द भार्गव / डॉ0 राजेन्द्र मिश्र
2. भारतीय दर्शन – डॉ0 सी0डी0 शर्मा
3. भारतीय संस्कृति – डॉ0 वी0के0 सिंह / ईश्वरी प्रसाद

द्वितीय प्रश्न पत्र
(संस्कृत व्याकरण)

पूर्णांक 100

इकाई–1	कारक प्रकरण सिद्धान्त कौमुदी – प्रथमा से तृतीया विभक्ति करण कारक पर्यन्त (सूत्रों की व्याख्या एवं विभक्ति निर्देश)	16 अंक
इकाई–2	सम्प्रदान कारक से अधिकरण कारक पर्यन्त (सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण सिद्धि)	16 अंक
इकाई–3	**स्त्री प्रत्यय** – टाप्, डीष्, डीप् प्रत्यय – शब्द साधनिका	16 अंक
इकाई–4	**स्त्रीप्रत्यय** – चाप्, डीन्, ऊङ् और ति प्रत्यय – शब्द साधनिका	16 अंक
इकाई–5	इकाई 1 से 4 तक लघु उत्तरी प्रश्न होंगे।	16 अंक

आन्तरिक परीक्षा – 20 अंक

पुस्तकें–

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र
2. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र / डॉ0 राम मुनि पाण्डेय
3. हितोपदेश – चौखम्भा प्रकाशन

(तृतीय प्रश्नपत्र)

मौखिकी परीक्षा पूर्णांक–100